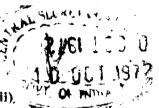


ग्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (ii)

PART II - Section 3-Sub-section (ii),



प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

तं 418] नई दिल्ली, सोमबार, सितस्बर 18, 1972/भात्र 27.

No. 418] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 18, 1972/BHADRA 27, 1894

इस भाग में भिन्न बुट्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह प्रलग संकलन के कप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 18th September 1972

S.O. 607(E)/15/IDRA/72.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs. Bharat Barrel and Drum Manufacturing Company Private Limited, Bombay, is engaged in the scheduled industry, namely the metallurgical industry;

And, whereas, it has come to the notice of the Central Government that the volume of production of the articles manufactured in the said industrial undertaking had been gradually going down and the production has now come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that the production in the said scheduled industry does not suffer to the detriment of the public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby appoints, for the purpose of making of full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

Shri S. K. Chakravarty, Manager (Technical), Industrial Reconstruction Corporation of India, Calcutta.

Members

- Shri P. M. Naik, Joint Director of Industries, Government of Maharashtra, Aurangabad.
- Shri J. M. Guha, Deputy Petroleum Officer, Ministry of Petroleum and Chemicals, New Delhi.
- Shri J. S. Iyer, Senior Cost Accounts Officer, Ministry of Finance, New Delhi,
- 2. The said body shall submit its report within four weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. F.2(2)/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

श्रौद्योगिक विकास मंत्रालय

श्चादेश

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1972

का० भ्रा० 607 (म्र)/15/म्राई० डी० म्रार० ए०/72 :—यतः मैसर्स भारत बेरल एण्ड इम मैन्युफैक्नरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड; बम्बई नामक म्रौद्योगिक उपक्रम म्रनुसूचित उद्योग भ्रषीत् धातुकर्मीय उद्योग में लगा हुम्रा है ;

श्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह भ्राया है कि उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम में विनि मित वस्तुओं के उत्पादन का परिमाण धीरे धीरे कम होता जा रहा है श्रीर प्रबन्ध मण्डल द्वारा उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम के बन्द किए जाने के परिणामस्वरूप उत्पादन में श्रव बिल्कुल गतिश्रेष, जिसकी विद्यमान श्राधिक स्थिति को देखते हुए कोई श्रीचित्य नहीं है, श्रा गया है;

ग्रीर यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त ग्रौद्योगिक उपक्रम के बन्द हो जाने से उत्पन्न परिस्थिति के उपचार ग्रीर यह सुनिश्चित करने को कि उक्त ग्रनुसूचित उद्योग में उत्पादन लोकहित पर प्रतिकृत रूप में न गिरे तुरन्त कार्यवाही करना समीचीन है;

श्रतः श्रब उद्योग (विकास तथा विनियमन) श्रिधिनियम 1951 (1951 का 15) की धारा 15 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भामले की परिस्थितियों का पूर्णकृषेण ग्रन्वेषण करने के प्रयोक से एनद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों से बना एक निकाय नियुक्त करती है :—

ग्रध्यक्ष

श्री एस० के० घकवर्ती, प्रबन्धक (तकनीकी), भारत का श्रीद्योगिक पुनर्गठन निगम, कलकत्ता । सदस्य

श्री पी० एम० नायक, उद्योग संयुक्त-निदेशक, महाराष्ट्र सरकार, श्रीरंगाबाद ।

श्री जे० एम० गुहा, उप-पैट्रोलियम घ्रधिकारी, पैट्रोलियम ग्रीर रसायन मंत्रालय, नई दिल्ली ।

श्री जे० एस० श्राय्यर, ज्येष्ठ लागत लेखा ग्रधिकारी, वित्त मंत्रालय, नर्ष दिल्ली ।

जक्त निकाय इस ब्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4 सप्ताह के भीतर ध्रपनी रपोर्ट प्रस्तुत करेगा ।

> [सं० फा॰ 2(2)/72-सी० यू० सी०] के० एस० भटनागर, संयुक्त सचिव ।